Shri Biren Roy: In view of the fact that.....

Mr. Speaker: Order, order. I did not call the hon. Member. Shrimati Renu Chakravartty

Shri Biren Roy: You have not called, and that is why I put this question.

Mr. Speaker: Order, order. I do call the hon. Member He cannot go on like this. I would not call him hereafter.

Shrimati Renu Chakravartty: May I know whether this model which is to be set up at the Poona Research Institute is to contain all the rivers and tributaries in Bengal or only the area of Midnapore and Rupnarain and its branches?

Shri Humayun Kabir: This new model will be a model of the Hooghly and its tributaries in the lower reaches.

Shri Biren Roy: In view of the fact that the new bridge which has been sanctioned may take many years to be built on account of the paucity of finances, would the Ministry of Communications recommend that the railway bridge which is already in existence and which was used during the war time for traffic by means of asphalt in between the tract be allowed to be used because of the development of that area and so on?

Shri Humayun Kabir: This is a suggestion and I will have it examined by the appropriate authorities.

Shri S. C. Samanta: May I know whether this silting at Kolaghat and in the Rupnarain river has any connection with the increase of Bellary Bar and Rangafala Bar that have been created in the mouth of the Hooghly river?

Shri Humayun Kabir: It is very difficult to give an answer to that question till the studies have been completed, but at present the indication seems to be that deterioration of the river has taken place on account of two major factors: one is the spur which was built and the second is that there is not sufficient flow of fresh water, and for this even the Damodar Valley Dams have been partly held accountable. All this will take time before a complete answer can be given.

Shri Jaipal Singh: The hon. Minister assured us that he would take the matter up in regard to the railway bridge being opened to vehicular traffic. May I know whether in his consultations he will include other bridges also, like the Sone?

Shri Humayun Kabir: That question hardly arises out of this specific question about the Rupnarain.

Shrimati Renu Charkravartty: May I know whether the river Vidyadhari is also included within this model experiment?

Shri Humayun Kabir: I have already stated that in the model experiment all the tributaries of the Hooghly in the lower reaches will be taken.

उत्तर प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में औषधीय जड़ी बूटियां

*५६३. श्री भक्त दर्शन : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री २० नवम्बर, १९५६ के तारांकित प्रश्न संख्या २०१ के अनुपूरक प्रश्न के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि देहरादून की वन-गवेषणा संस्था ने गढ़वाल, देहरादून व टिहरी गढवाल जिलों में औषधीय जड़ी-बूटियों के सर्वेक्षण का जो कार्य प्रारम्भ किया था, उसमें इस बीच क्या प्रगति हुई है ?

सहकार मंत्री (डा० पं० शा० देशमुख) : सभा की टेबल पर एक विवरण रख दिया गया है। [देखिय परिशिष्ट २, अनुबंध संख्या ११७]

श्री भक्त दर्शन : जहां तक मुझे ज्ञात है, इस सम्बन्ध में १९५४ से सर्वेक्षण किया जा रहा है। मैं यह जानना चाहता हूं कि कब तक

यह कार्य पूरा होने की आशा की जा रही है और अभी तक इस में तेजी क्यों नहीं लाई गई?

डा० पं० शा० देशमुख : यह काफ़ी बड़ा काम है और अगर यह १९५४ से शुरू हो चुका है, तो काफ़ी काम हो भी चुका है। इसके लिए अभी कुछ समय और लगेगा, मगर १०५० प्लांट्स की निस्बत इंफर्मेशन इकट्ठी कर ली गई है।

श्री भक्त दर्शन : जिन जड़ी-बूटियों का पता लगा है और जो उपयोगी जड़ी-बूटियां हैं, क्या उनके विकास और उपयोग के सम्बन्ध में भी कोई योजना बनाई गई है ?

डा० पं० शा० देशमुख : वह इस योजना का हिस्सा नहीं है। वह कार्य अलग से लेना पड़ेगा। लेकिन जो नतीजे—रिजल्ट्स—प्राप्त हुए हैं, वे काफ़ी वैल्यूएबल और इम्पार्टेन्ट हैं और उनका कुछ न कुछ फ़ायदा उठाया जायेगा।

Shri Panigrahi: May I know whether this survey will extend to other States in India also?

Dr. P. S. Deshukh: In times to come it may be, but for the present we have undertaken this proposal at the instance of the U.P. Government.

श्री भक्त दर्शन : इस सम्बन्ध में क्या स्वास्थ्य मंत्रालय से परामर्श किया जा रहा है कि जिन जड़ी-बूटियों का पता लगा है, उनका फ़ारमैसियोटिकल या दूसरी तरह का उपयोग किया जा सके ?

डा० पं० शा० देशमुख : खास तौर से तो ऐसा नहीं किया गया है, लेकिन मुझे आशा है कि हैल्थ मिनिस्ट्री सतर्क है और वह इन चीजों की तरफ़ ध्यान देगी और इनका फ़ायदा उठाया जा सकेगा।

Co-operative Sugar Mills

***594. Shri Raghunath Singh:** Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state the number of licences issued so far for establishment of co-operative sugar mills and how many out of those have started the construction work?

The Minister of Co-operation (Dr. P. S. Deshmukh): 39 licences have so far been granted for the establishment of Co-operative Sugar Mills. Of these, 8 factories have already gone into production; while another 4 have completed construction work and are expected to catch 1957-58 season. Besides these, 3 factories have started erection work. One of them is expected to have a trial run towards the end of February, 1958.

श्री रघुनाथ सिंह : बिहार और यू० पी० में जिन फ़ैक्टरियों में वर्क स्टार्ट हुआ है, उनकी संख्या क्या है ?

डा० पं० शा० देशमुख : बिहार और यू० पी० में कोई फ़ैक्टरी जारी नहीं हुई है।

श्री ढेबर : कुछ दिन पहले यहां पर एक सवाल के जवाब में फ़ाइनेंस मिनिस्टर के द्वारा बताया गया था कि आन्ध्र में जो छः को-आपरेटिव शूगर फैक्टरियां खोली जाने वाली थीं, वे इसलिए नहीं खोली जा रही हैं, क्योंकि वहां फ़ारेन एक्सचेंज की कठिनाई पड़ी है। मैं यह जानना चाहता हूं कि उस कठिनाई को हल करने के लिए—एक ऐसे प्रदेश के लिए, जहां शूगरकेन की काफ़ी बड़ी यील्ड है, क्या कोशिश की जा रही है।

डा० पं० शा० देशमुख : यह अरजेंसी स्टेट-वाइज कनसिडर नहीं की जाती है। जो एप्लिकेशन्ज़ आती हैं, उन पर उनके मैरिट के अनुसार गौर किया जाता है और जितनी मदद हो सकती है, वह दी जाती है।

श्री क० गो० सेन : इन को-आपरेटिव शूगर मिलों को केन्द्रीय सरकार की तरफ़ से क्या मदद दी जाती है ?

डा० पं० शा० देशमुख : बहुत सबस्टेंशियल मदद दी जाती है। काश्तकार तो कुल दस, पन्द्रह लाख रुपया इकट्ठा करते हैं।